हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 32 कांगड़ा। शनिवार, 07 दिसंबर-13 दिसंबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 22 मार्गशीर्ष, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

खरमास का महीना

-पढ़ें पेज 4

मां अन्नपूर्णा

यह तिथि सनातन धर्म में बहुत महत्व रखती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस मौके पर सीता-राम को समर्पित पूजा अनुष्ठान करने से वैवाहिक जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही आशीर्वाद प्राप्त होता है....

हिंदू धर्म में अन्नपूर्णा जयंती का पर्व मां अन्नपूर्णा को समर्पित होता है। हर साल मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि पर अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाती है। इस दिन माता अन्नपूर्णा की पूजा-आराधना करने से घर में धन-धान्य में बढ़ोतरी होती है। अन्नपूर्णा जयंती के दिन विधि-विधान से माता अन्नपूर्णा की पूजा करने से जीवन के कई दुख दूर होते हैं. अन्नपूर्णा जयंती के दिन माता अन्नपूर्णा की पूजा के साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि अन्नपूर्णा जयंती के दिन पूजा करने और इस व्रत को करने पर मां अन्नपूर्णा की कृपा बरसती है और उनकी कृपा से अन्न-धन के भंडार हमेशा भरे रहते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा तिथि 14 दिसंबर की शाम 4 बजकर 58 मिनट से शुरू होगी। वहीं, इस पूर्णिमा की समाप्ति 15 दिसंबर को दोपहर 2 बजकर 31 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार अन्नपूर्णा जयंती 15 दिसंबर को मनाई जाएगी।

अन्नपूर्णा जयंती के दिन सुबह स्नान के बाद साफ वस्त्र पहनने चाहिए। इस दिन घर की अच्छे से साफ-सफाई करें और मंदिर की सफाई करें। उसके बाद मां अन्नपूर्णा की मूर्ति साफ चौकी पर स्थापित करें। फिर मां अन्नपूर्णा का षोडशोपचार से पूजन करें। माता को सिंदूर, कुमकुम, चंदन का टीका लगाएं। धूप, दीप दिखाएं। इस दिन माता को खीर, पूड़ी, हलवा, सब्जी और फलों का भोग लगाना चाहिए। पूजा करने के बाद मंत्र जाप करें और आरती करें। इस दिन भोजन का दान करना चाहिए। 'ऊं अन्नपूर्णायै नमः' का 108 बार जप करना चाहिए।

हिंदू धर्म में अन्नपूर्णा जयंती के पर्व का खास महत्व है। मां अन्नपूर्णा को माता पार्वती का ही एक रूप माना जाता है। इनकी पूजा करने से साधक के अन्न धन के भंडार भरे रहते हैं। अन्न प्राप्ति के लिए मां अन्नपूर्णा को धन्यवाद करने के लिए ये दिन बहुत ही उत्तम माना जाता है। मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से व्यक्ति को रोगों से भी मुक्ति मिलती है।

■ **पं. कुलदीप शास्त्री**